विगत उपलब्धियाँ:-

2001 से पूर्व की उपलब्धियाँ संख्या में नहीं, अपितु गुणवत्ता में बहुत अधिक थीं, उस समय किए गए कार्यो का सुफल आज भी देखने को मिलता है। दूर- दराज के इलाकों जैसे भारत- चीन सीमा पर स्थिति मनिगौंग गाँव जो राजधानी से 2623 किमी दूर है, में हिन्दी बोलने वाली जनसंख्या, एस.एस.बी. की उपस्थिति का प्रमाण हैं।

- इस प्रशिक्षण के साथ, स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा के क्षेत्र में जन चेतना अभियान चलाए गए जिन्हें ग्रामीणों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।
- एस.एस.बी. एक अद्वितीय संगठन के रुप में स्थापित हुई जिसने ग्रामीण जनता में राष्ट्रीय भावना और सुरक्षा जागरुकता ही पैदा नहीं की अपितु उनका विश्वास भी जीता ।
- सीमा रक्षा बल होने से पूर्व एस.एस.बी. ने 15 राज्यों में 5.73 करोड़ की आबादी से सम्पर्क स्थापित करते हुए 9917 किमी. की अंतर्राष्ट्रीय सीमा में 80,000 गाँवों में कार्य किया। प्रचालन और प्रशासनिक नियंत्रण के लिए एस.एस.बी. ने 10 डिविजन, 49 एरिया 117 सब एरिया और 287 सर्कल स्थापित किए। ये यूनिट, अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए, सभी गतिविधियों पर नियंत्रण रखने के लिए प्रमुख नियंत्रण के केन्द्र के रुप में कार्य करती थी। वर्दीधारी कार्मिकों की 25 बटालियन स्वयंसेवकों को हथियारों का प्रशिक्षण देने के लिए और ग्रामीणों को होने वाले हमलों के प्रति तैयार करने के लिए कार्यरत थी।
- एस.एस.बी. ने सीमावर्ती जनता को मजबूत बनाने के लिए एक विशेष कार्ययोजना पर कार्य करते हुए सीमावर्ती जनता से स्वयं को जोड़ा। ''वहीं के लोग, वहीं पर प्रशिक्षण और वहीं पर तैनाती'' की कार्ययोजना पर एस. एस. बी. ने काम किया।
- एस. एस. बी. ने ग्रामीण स्तर पर 16.86 लाख महिलाओं तथा 2.62 लाख स्वयंसेवकों को, जिसमें 42, 605 महिला स्वयंसेवक थी गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जिससे वे वर्दीधारी कार्मिकों की सहायता कर सकें और अपने स्तर पर बचाव कार्य अथवा ऑपरेशन को अंजाम दे सकें। हर समय तैयार रहने की महत्ता इस प्रकार दर्शायी गई कि 20,000 स्वयंसेवक प्रति वर्ष फील्ड की गतिविधियों में संलग्न रहते थे और 900 ग्रुप, अल्प सूचना पर कहीं भी तैनात रहने के लिए तत्पर और तैयार रहते थे।
- 1965 में एस. एस.बी ने अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ भारत-पाक युद्ध और 1971 में बांग्लादेश ऑपरेशन और बाद में श्रीलंका और पाकिस्तान के विरुद्ध ऑपरेशन में भाग लिया। एस.एस.बी. की भूमिका को कारगिल ऑपरेशन के दौरान भी पहचान मिली जब इसके स्वयंसेवकों ने योग्य गाइड के रुप में कार्य किया।
- मणिपुर में विद्रोह की समस्या का सामना करने के लिए एस.एस.बी. ग्रामीण स्वयंसेवक बल (VVF) की नवीन अवधारणा के साथ सामने आई, और हिंसा छोड़ने वाले विद्रोहियों को पुनर्स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्रामीण स्वयंसेवक बल (VVF) के प्रयासों से 654 विरोधियों ने आत्मसमर्पण किया, 261 विद्रोही पकड़े गए, 44 विद्रोही निष्प्रभावी किए गए और भारी मात्रा में हथियार और गोला बारुद व अन्य सामग्री जब्त की गई।
- भारत- नेपाल और भारत- भूटान सीमा पर एस.एस.बी. की तैनाती के बाद तस्करों और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों पर लगाम लगी है।
- वर्ष 2013 में एस.एस.बी. ने 113.45 करोड़ मूल्य के मादक पदार्थ, जाली भारतीय मुद्रा, वन्य जीव उत्पाद, पशु उत्पाद, निषिद्ध पदार्थ पकड़े और 885 अपराधियों को गिरफ्तार किया। वर्ष 2014 में 126.88 करोड़ मूल्य के पदार्थ पकड़े गए तथा 2362 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। वर्तमान वर्ष 2015 (जून) में कुल 78.50 करोड़ मूल्य की सामग्री पकड़ी गई तथा 1502 अपराधी गिरफ्तार किए गए।
- नेपाल में आए भूकंप के बाद मानव तस्करी की घटनाएं बढ़ी हैं, एस.एस.बी. ने भारत- नेपाल सीमा पर 357 पीड़ितो को छुड़ाया और 82 तस्करों को गिरफ्तार किया। भारत- भूटान सीमा पर 32 पीड़ित छुड़ाए गए और 15 तस्करों को गिरफ्तार किया गया।